भविष्य का शहर

'वर्क-लिव-प्ले' मॉडल पर होगी आधारित

बेंगलूरु में बसाई जाएगी पहली 'एआइ टाउनशिप'

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

बेंगलूरु. तकनीक और रोजगार मिलकर भारत का नया चेहरा गढ़ रहे हैं। इसी कड़ी में कर्नाटक सरकार बिड़दी में ग्रेटर बेंगलूरु इंटीग्रेटेड टाउनशिप (जीबीआइटी) विकसित करने जा रही है। 9,000 एकड़ में फैली यह देश की पहली और सबसे बड़ी आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस-आधारित टाउनशिप होगी। दावा है कि यह केवल रियल एस्टेट प्रोजेक्ट नहीं, बल्कि एआइ भविष्य की एक प्रयोगशाला बनेगी।

इस टाउनशिप में 1,100 एकड़ क्षेत्र हरित पार्कों और खुले स्थानों के लिए सुरक्षित होगा, जिससे यह देश की सबसे ग्रीन शहरी टाउनशिप में गिनी जाएगी। यह परियोजना बेंगलूरु के यातायात की भीड़ को कम करने के लिए रिंग रोड, एक्सप्रेसवे और 'वॉक-टू-वर्क' कार्यस्थल योजनाओं को बढ़ावा देगी। साथ ही, आइटी-एआइ सेक्टर में लाखों नौकरियों का सृजन होगा और युवाओं को तैयार करने के लिए स्किलिंग सेंटर स्थापित होंगे।

पढ़ें **बेंगलूरु** @ पेज 13

यह केवल रियल एस्टेट प्रोजेक्ट नहीं, बल्कि एआइ भविष्य की एक 'लैब' बनेगी।

2000 एकड़ एआइ इंडस्ट्री को समर्पित

उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार ने बताया कि जीबीआइटी 'वर्क-लिव-प्ले' मॉडल पर आधारित होगा और यह राज्य का दूसरा सेंट्रल बिजनेस डिस्ट्रिक्ट बनेगा। इसमें 2,000 एकड़ से अधिक भूमि एआइ इंडस्ट्री और यूनिट्स को दी जाएगी। यह टाउनशिप राज्य राजमार्ग, एनएच-209, एनएच-275 और नाइस रोड जैसे प्रमुख मार्गों से जुड़े 300 मीटर चौड़े व्यावसायिक गलियारे से उद्योग व शहरों के बीच सीधी कनेक्टिविटी देगी।